वर्ष : 19 | अंक : 220 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

राजस्थान पत्रिका SUNDAY

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | नई दिल्ली, रविवार, 03 मार्च, 2024 | फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी संवत् 2080

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

/rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika

patrika.com

पत्रिका अखबार हर दिन लोगों के घर के दरवाजे खोलता है और पढ़ने के बाद मन के दरवाजे खोलता है।

SUNDAY GUEST EDITOR
संडे गेस्ट एडिटर @ वुमन

शिक्षा ही आत्मविश्वास पैदा कर सकती है बेटियों में

आधी आबादी यानी महिलाओं की सोच को अखबार में उतारने के लिए पत्रिका की पहल संडे वुमन गेस्ट एडिटर के तहत आज की गेस्ट एडिटर सफीना हुसैन हैं। आप सोशल एक्टिविस्ट और एजुकेट गर्ल्स की फाउंडर हैं। आप शिक्षा के क्षेत्र में दिए जाने वाले इंटरनेशनल अवॉर्ड 'वाइज' प्राप्त करने वालीं दूसरी भारतीय हैं। आपने अब तक 14 लाख से अधिक ड्रॉपआउट बच्चियों को वापस शिक्षा से जोड़ा है। आपका लक्ष्य अगले दस वर्षों में एक करोड़ से अधिक बच्चियों को शिक्षा से जोड़कर मुख्यधारा में शामिल करने का है। आप मानती हैं कि आज भी हमारे देश में बेटियों को 'दायित्व' माना जाता है। शिक्षा का अधिकार मिलने के बावजूद बेटियों को इससे वंचित रखा जाता है। आप कहती हैं कि शिक्षा ही बेटियों में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें पहचान दिला सकती है। यही वह शक्तिशाली उपकरण है जो उन्हें रूढिवादी समाज के पूर्वाग्रहों का शिकार नहीं होने देगा।

पत्रिका में **संडे गेस्ट एडिटर** के रूप में मैंने उन लोगों की कहानियों को चुना है, जो बालिका शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। ड्रॉपआउट बच्चियों को फिर से शिक्षा से जोड़ने की कोशिश में लगे हुए हैं। – **सफीना हुसैन,** सोशल एक्टिविस्ट

संडे वुमन गेस्ट एडिटर की पहल आपको कैसी लगी। अपने सुझाव हमें बताएं। वॉट्सऐप नंबर/ई-मेल पर भेजें-
8955003879/ sunday@in.patrika.com